therefore, suggested ways and means to reduce dwell time both for exports and imports.

(c) Government is committed to rationalise procedures and upgrade existing infrastructure with a view to reducing dwell time at Airports. Accordingly, the report has been forwarded to concerned Ministries for further processing and implementation.

औद्योगिक उत्पादन की वार्षिक विकास दर

*12 **श्री बरजिन्दर सिंह** :

श्री कपिल सिब्बल :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा हाल ही में प्रकाशित प्रतिवेदन में यह कहा गया हैं कि वर्ष 1998-99 की पहली छमाही में औद्योगिक उत्पादन (विकास) की वार्षिक दर केवल 3 प्रतिशत होगी;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस प्रतिवेदन का अध्ययन करने के उपरांत तथ्यों की जानकारी एकत्र की है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान औद्योगिक विकास की वार्षिक दर का क्या अनुमान हैं; और

(घ) वर्ष 1997-98 की प्रथम छमाही के दौरान प्राप्त यह दर कितनी हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) से (घ) वर्ष 1990-91 से औद्योगिक उत्पादन की वार्षिक विकास दर को नीचे दर्शाया गया हैं;

वर्ष	**(विकास दर प्रतिशत में)**
1990-91	8.3
1991-92	0.6
1992-93	2.3
1993-94	6.0
1994-95	8.4
1995-96	12.7
1996-97	5.6
1997-98	6.6
1998-99 (अप्रैल-सितबर)	3.6

चालू वर्ष (अप्रैल-सितबर,1998) की प्रथम छः महीने की अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन की विकास दर 3.6 रही, जबकि इसकी तुलना में यह वर्ष 1997-98 की इसी अवधि के दौरान 6.0% थी।

Increase in Exports

*13. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR;
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) how far the scheme to resurrect the export trade as announced during the Budget Session 1998 has so far helped in improving the exports in respect of different sectors;

(b) whether the exports have generally failed to pick up; and

(c) if so, to what extent, alongwith reasons therefor?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) Sectoral Performance after the announcement of the scheme to resurrect export trade. (Rate of growth over the corresponding period for 1997)

Major Sectors		Growth			
		April-June 98		April-August 98	
		(US$)	(Rupees)	(US$)	(Rupees)
1.	Plantation	13.61	29.40	22.49	42.01
2.	Agri & allied	-15.54	-3.80	-1.05	14.72
3.	Marine products	-6.36	6.65	6.14	23.06
4.	Ores & minerals	-37.12	-28.38	-29.72	-18.52
5.	Leathers & mfrs.	-12.61	-0.47	-5.25 .	9.85
6.	Gems & Jewellery	17.65	34.01	15.95	34.43
7.	Chemicals & related products	-9.71	2.84	-3.58	11.79
8.	Engineering goods	-11.78	0.48	-15.27	-1.76
9.	Electronic goods	-60.37	-54.86	-34.19	-23.71
10	Textiles	-17.29	-5.79	-7.55	7.19
		-8.04	4.75	-1.98	13.64

As shown in the above table, the export performance during April-August, 1998 has improved from that during April-June, 1998 in all major sectors except engineering goods.

(b) The scheme to resurrect the export trade announced during the Budget Session 1998 has helped in improving the exports. While the cumulative export growth'for April-June, 1998 was" -8.04% in US Dollar terms and 4.75% in rupee terms over the corresponding figures for last year, the cumulative figures for April-

September, 1998 gives agrowth rate of-3.28% in US Dollar terms and 12.26% in rupee terms over the corresponding period for last year.

(c) The exports were affected due to a general slow down in world trade especially recession in many countires in South East Asia, Japan and Germany, domestic supply constraints in some sectors such as agriculture commodities and barriers faced in the markets of European Union.

कच्छ क्षेत्र में आए चक्रवात के कारण निर्यात और आयात पर प्रभाव

*14. **श्री चिमनभाई हरीभाई शुक्ला** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जुन, 1998 में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में आए चक्रवात के कारण कांडला मुक्त पत्तन और पत्तन न्यास के क्षतिग्रस्त होने के कारण देश के आयात/निर्यात पर अत्याधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है;

(ग) इसके कारण देश कों कुल कितने राजस्व और विदेशी मुद्रा की हानि हुई हैं; और

(घ) इस क्षति को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े) : (क) से (ग) काण्डला बन्दरगाह न्यास और काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र (केएएफटीजेड) द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार जून, 1998 में आए तूफान से हुए विनाश के कारण विदेश व्यापार प्रभावित हुआ जिससे हुई हानि की राशि नीचे दी गई हैं:-

(i) विदेश व्यापार	काण्डला बन्दरगाह	निर्यात	आयात (लाखों में)
	जून, 1997	26,641.49	12,761.58
	जून,1998	8,357.63	9,999.69
	जुलाई, 1997	32,752.09	24,144.76
	जुलाई, 1998	23,617,06	56,169.37
केएएफटोजेड	जून,1997	1,342.07	1,205.41
	जून,1998	489.74	1,107.67
	जुलाई, 1997	1,719.79	1,183.89
	जुलाई, 1998	1,499.31	948.79

(ii) काण्डला बन्दरगाह न्यात को अपने उपकरण, संयंत्र और मशीनों आदि की क्षति से 133.25 करोड़ रूपए की कुल हानि हुई।

(iii) तूफान के बाद केएएफ्टीजेड में बिजली और पानी की आपूर्ति में गड़बड़ी आने के कारण निर्यात उत्पादन वस्तुतः बंद हो गया था। विनाश के कारण बुनियादी सुविधाओं में लगभग 2 करोड़ रूपये की क्षति होने का अनुमान लगाया गया हैं। कच्चे माल और तैयार सामान आदि की क्षति लगभग 4.5 करोड़ रूपये की हैं।

(घ) भारतीय नौसेना, सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) तटरक्षक, स्थानीय पुलिस बल तथा पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहायता से बंदरगाह के संचालन को पुनः शुरू करने के सभी उपाय युद्वस्तर पर किए गए। केएएफ्टीजेड ने भी कार्य को पुनः शुरू करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। बंदरगाह के कार्य एक माह के भीतर पुनः शुरू कर दिए गए थे।

वाणिज्य मंत्रालय ने तूफान के कारण खत्म हुई बुनियादी सुविधाओं को पुनः बहाल करने के लिए एक विशेष पुननिर्माण कार्यक्रम के रूप में केएएफ्टीजेड को 1.51 करोड़ रूपये स्वीकृत किए।

किए गए अन्य उपायो में शामिल हैं-क्षति का त्वरित अनुमान लगा कर बीमा कंपनियों से दावों का निपटान कराना तथा वित्तीय संस्थाओं को इस आशय की सलाह देना कि वे निर्यातकों/आयातकों के नकद ऋण सीमाओं पैकिंग सीमाओं, निर्यात ऋण तथा चलती पूंजी के आवेदना पर स्वीकारात्मक ढंग से विचार करें।

कांडला बन्दरगाह न्यास पर सुविधाओं को पुनः बहाल करने के अतिरिक्त, काण्डला बन्दरगाहों पर रखवाने के लिए भी प्रबंध किए गए।

Jewellery Fair at Jeddah

*15. SHRI RAJNATH SINGH SURYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Saudi Arabia has refused to allow Indian Jewellers to display their wares at trade fair being held in February, 1999 at Jeddah;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to ensure participation of Indian jewellers in this fair?